जर्जर पानी टंकी से कोतमा वार्ड-13 में पेयजल संकट

भीषण गर्मी में बूंद-बूंद पानी को तरसे लोग

कोतमा, देशबन्धु । भीषण गर्मी के बीच नगर के वार्ड क्रमांक 13 में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले इस वार्ड में स्थित पानी की टंकी जर्जर हालत में पहुंच चुकी है, जिसके चलते सैकड़ों परिवारों को पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद एसईसीएल प्रबंधन ने समस्या के समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

कई बार दी गई शिकायतें, नहीं हुआ समाधान - वार्डवासियों के अनुसार पानी की टंकी की जर्जर स्थिति को लेकर कई बार सोशल मीडिया, मुख्यधारा के मीडिया माध्यमों तथा मौखिक रूप से एसईसीएल अधिकारियों को अवगत कराया गया था। नागरिकों का कहना है कि टंकी की खराब स्थिति किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी, लेकिन समय रहते नई टंकी के निर्माण की दिशा में कोई पहल नहीं की गई।

गर्मी में गहराया जल संकट - क्षेत्र में नई पानी टंकी का निर्माण नहीं होने के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है। भीषण गर्मी के बीच लोगों को दैनिक उपयोग के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कई परिवारों को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है।

एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ बढ़ रहा आक्रोश - पेयजल संकट को लेकर वार्डवासियों में एसईसीएल प्रबंधन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र से कोयला उत्पादन करने वाली कंपनी को यहां निवासरत लोगों की मूलभूत सुविधाओं की भी चिंता करनी चाहिए। लोगों का आरोप है कि बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बावजूद नई पानी टंकी का निर्माण नहीं कराया गया।

आंदोलन की चेतावनी - वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया और वैकल्पिक जल व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग - क्षेत्र की जनता ने जिला प्रशासन एवं एसईसीएल के उच्च अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि नई पानी टंकी का निर्माण युद्ध स्तर पर कराया जाए तथा तब तक वार्ड में नियमित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

66 करोड़ की नल-जल योजना पर श्रमिकों का विद्रोह, 51 गांवों की जलापूर्ति प्रभावित

2018 से सेवाएं देने के बावजूद न्यूनतम मानदेय नहीं मिलने का आरोप

अनूपपुर, देशबन्धु। पुष्पराजगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम किरगी में संचालित 66 करोड़ रुपये की किरगी ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना श्रमिकों की हड़ताल के कारण विवादों में घिर गई है। योजना में कार्यरत कर्मचारियों ने संचालन एवं रखरखाव कर रही कंपनी सीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड पर कम वेतन, श्रम कानूनों के उल्लंघन और सुरक्षा सुविधाओं की अनदेखी के आरोप लगाते हुए सोमवार से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। हड़ताल के चलते योजना के पंप बंद हो गए हैं, जिससे 51 गांवों की पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो गई है।

वर्षों से कम वेतन देने का आरोप - मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित द्वारा लगभग 66 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस योजना का उद्देश्य क्षेत्र के 51 गांवों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। कर्मचारियों का आरोप है कि वर्ष 2018 से लगातार सेवाएं देने के बावजूद उन्हें शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम मानदेय तक नहीं दिया गया। उनका कहना है कि कई वर्षों से वेतन वृद्धि नहीं हुई, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती रही है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायतें और ज्ञापन देने के बावजूद उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा।

सुरक्षा संसाधनों की कमी से नाराज कर्मचारी - हड़ताली कर्मचारियों का कहना है कि जल शोधन संयंत्र, पंप हाउस और विद्युत उपकरणों जैसे संवेदनशील स्थानों पर कार्य करने के बावजूद उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए। कर्मचारियों ने हेलमेट, दस्ताने, सुरक्षा जूते, बीमा और अन्य सुरक्षा संसाधनों की कमी का आरोप लगाया है। श्रमिकों का कहना है कि जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करने के बावजूद उनकी सुरक्षा को लेकर कंपनी गंभीर नहीं, जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ा ।

ईपीएफ, ईएसआई और सामाजिक सुरक्षा लाभों पर भी सवाल - कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उन्हें ईपीएफ, ईएसआई तथा अन्य वैधानिक सामाजिक सुरक्षा लाभों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और न ही इनका लाभ मिला। सुरक्षा निधि सहित अन्य सुविधाओं को लेकर भी कर्मचारियों ने सवाल उठाए हैं।

जलापूर्ति व्यवस्था पर भी उठे प्रश्न - कर्मचारियों और ग्रामीणों का आरोप है कि कई गांवों में नल कनेक्शन होने के बावजूद नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। इसके बावजूद योजना को पंचायतों को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया की चर्चा चल रही है। ऐसे में योजना की गुणवत्ता, संचालन व्यवस्था और निगरानी तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

जवाबदेही तय करने की मांग - हड़ताल के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि करोड़ों रुपये की सार्वजनिक परियोजना में यदि कर्मचारियों को उनके अधिकार नहीं मिले और ग्रामीणों को नियमित पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी। कर्मचारियों और ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार पक्षों पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल 51 गांवों की जनता पेयजल संकट की आशंका से जूझ रही है और सभी की निगाहें प्रशासन, मध्यप्रदेश जल निगम तथा संबंधित कंपनी की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

सार-समाचार

चलती बाइक से गिरकर महिला घायल, धूप से आया चक्कर

पन्ना, देशबन्धु। जिले में तेज धूप के कारण चलती मोटरसाइकिल से गिरने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना सोमवार, 15 जून को भैरव टेक घाटी के पास हुई।

महिला के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। छतरपुर जिले के बमीठा थाना अंतर्गत गंज निवासी ईश्वर आदिवासी (25 वर्ष) अपनी पत्नी बीमा बाई और दो साल की बच्ची के साथ पन्ना के कोनी गाँव पूजा-पाठ के लिए जा रहे थे। वे मोटरसाइकिल पर सवार थे। भैरव टेक घाटी के पास पहुंचते ही, तेज धूप और भीषण गर्मी के कारण बीमा बाई को अचानक चक्कर आ गया। इससे वह चलती बाइक से अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गईं। सिर के बल गिरने से उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद राहगीरों और पति की मदद से घायल महिला को तुरंत पन्ना के जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया है। फिलहाल महिला की हालत पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं।

बदरा क्लस्टर के विकास कार्यों की जिला पंचायत सीईओ ने की समीक्षा

अनूपपुर, देशबन्धु। जनपद अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरा के सभागार में ग्रामीण विकास विभाग के बदरा क्लस्टर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए सीईओ अर्चना कुमारी ने सभी ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों से कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए, ताकि वर्षा जल के संरक्षण और भू-जल स्तर में वृद्धि के प्रयासों को मजबूती मिल सके। उन्होंने एक बगिया मां के नाम अभियान के तहत हितग्राही मूलक पौधारोपण की समीक्षा करते हुए जहां-जहां पौधारोपण में कमी है, वहां गैप फिलिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही लगाए गए पौधों की सुरक्षा, समय पर खाद उपलब्ध कराने तथा नियमित सिंचाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि पौधों की बेहतर वृद्धि हो सके। बैठक में मनरेगा के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों, पौधारोपण एवं जल संरक्षण योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी मनरेगा रवीन्द्र पटेल, जनपद सीईओ रवि गोयल, एसडीओ सुरेंद्र पांडे, इंजीनियर लव श्रीवास्तव, सहायक कार्यक्रम अधिकारी अरविंद सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दम्पती ने खाया जहर, मौत

पन्ना, देशबन्धु। जिले के धरमपुर थाना क्षेत्र के भखुरी गांव में एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। यहां नवदंपती ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिसके बाद दोनों की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं गांव में भी शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात में परिवार के साथ बैठकर खाया खाना- भखुरी निवासी 25 वर्षीय सागर यादव और उनकी 23 वर्षीय पत्नी श्यामकली ने रात में परिवार के साथ सामान्य रूप से भोजन किया और फिर अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। परिजनों के मुताबिक, उस समय तक सब कुछ सामान्य था और किसी तरह के विवाद या तनाव की जानकारी नहीं थी। कुछ देर बाद कमरे के भीतर से अचानक चीखने-चिल्लाने और उल्टियां होने की आवाजें सुनाई दीं। परिवार के लोग घबराकर कमरे की ओर दौड़े तो देखा कि दोनों की हालत बिगड़ चुकी थी।

पति-पत्नी ने खाया जहर, दोनों की मौत - पूछताछ में पता चला कि सागर और श्यामकली ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। आनन-फानन में परिजन दोनों को अजयगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल पन्ना रेफर कर दिया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में श्यामकली ने दम तोड़ दिया। वहीं गंभीर हालत में भर्ती सागर यादव ने भी इलाज के दौरान अंतिम सांस ली।

तीन साल पहले हुई थी शादी - परिजनों के अनुसार, सागर यादव मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। तीन वर्ष पूर्व उसकी शादी श्यामकली से हुई थी। दंपती की कोई संतान नहीं थी। सागर अपने माता-पिता का इकलौता बेटा और चार बहनों का अकेला भाई था। एक साथ दोनों की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। घटना के पीछे की वजह फिलहाल रहस्य बनी हुई है। परिजन भी यह समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां बनीं, जिन्होंने दोनों को इतना बड़ा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। धरमपुर थाना प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि पति-पत्नी की मौत जहरीले पदार्थ के सेवन से हुई है। मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है और सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया रेल कर्मचारियों के प्रेरणास्त्रोत डॉ. एम. राघवैया का 92वां जन्मदिन

अनूपपुर, देशबन्धु। भारतीय रेल कर्मचारियों के हितों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले तथा 12 लाख रेल कर्मचारियों की मजबूत आवाज माने जाने वाले एनएफआईआर (नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन) के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. एम. राघवैया का 92वां जन्मदिन 15 जून को पूरे भारतीय रेल के विभिन्न जोनों में प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। एनएफआईआर के मीडिया प्रभारी लक्ष्मण राव एवं रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल प्रवक्ता गोपी राव ने बताया कि रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के जोनल महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण के निर्देश तथा बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष एवं उपमंडल समन्वयक बिलासपुर रवि धल के नेतृत्व में जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के प्रेम रूम में आयोजित कार्यक्रम में जोनल अध्यक्ष डी.के. स्वाइन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. राघवैया के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए केक काटा गया तथा उपस्थित कर्मचारियों और पदाधिकारियों के बीच मिठाइयां वितरित की गईं।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. एम. राघवैया के रेल कर्मचारियों के हितों की रक्षा, श्रमिक अधिकारों के संरक्षण तथा संगठन को सशक्त बनाने में दिए गए योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राघवैया का जीवन रेल कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और उनका मार्गदर्शन सदैव संगठन को नई दिशा देता रहेगा।

जन्मोत्सव कार्यक्रम में रेलवे मजदूर कांग्रेस के केंद्रीय कोषाध्यक्ष साई किरण, जीएस आईच, शुभम उपाध्याय, शाखा सचिव राना नंदी, पवन उइके, लोकनाथ पटेल, करंजी शाखा अध्यक्ष मनीलाल राजवाड़े, सी. श्रीनिवासराव, गब्बर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।

टीईटी से छूट की मांग को लेकर 18 जून को शिक्षकों का प्रदर्शन, प्रधानमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

अनूपपुर, देशबन्धु। शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से छूट की मांग को लेकर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। संघ के आह्वान पर जिले के शिक्षक 18 जून को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन करेंगे और प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष संजय निगम ने बताया कि राष्ट्रीय संगठन अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर देशभर में यह आंदोलन चलाया जा रहा है। संघ का मुख्य मुद्दा वर्ष 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से छूट दिलाना है।

संघ के अनुसार 29 मई 2026 को आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए भी टीईटी अनिवार्य हो गई है। इससे लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के समक्ष नई चुनौती खड़ी हो गई है। शिक्षक संघ का कहना है कि न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हुए भी इस समस्या का समाधान विधायी स्तर पर किया जाना आवश्यक है।

संघ ने मांग की है कि केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में विशेष विधेयक लाकर वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी छूट प्रदान करे। इसी मांग को लेकर 18 जून को शाम 4 बजे कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा।

जिला अध्यक्ष संजय निगम ने जिले भर के शिक्षकों से आंदोलन में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह केवल शिक्षकों के अधिकारों का ही नहीं, बल्कि उनके भविष्य और परिवारों की सुरक्षा का भी सवाल है। शिक्षक संघ ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है।

दैनिक राशिफल

मंगलवार 16 जून 2026 का पंचांग विक्रम संवत् 2083, शक संवत 1948 हिजरी 1447, जेष्ठ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा, नक्षत्र- आद्रा

मेष - आज आपका दिन मिश्रित फलदायी है। आपको आज नए काम करने की प्रेरणा मिलेगी। कोई नया काम भी शुरू कर पाएंगे। आज आपके विचार जल्दी-जल्दी बदलेंगे।

वृषभ - हाथ में आया हुआ अवसर कन्फ्यूजन के कारण आज आप गंवा सकते हैं और उसका लाभ नहीं ले पाएंगे। आज बहुत से विचार आपको परेशान करेंगे।

मिथुन - आज आपको लाभ होने की उम्मीद है। दिन आरंभ होते ही आपको स्फूर्ति और ताजगी का अनुभव होगा। मित्रों और सगे-सम्बंधियों के साथ स्वादिष्ट भोजन कर सकेंगे।

कर्क - परिवार में मनमुटाव के अवसर आएंगे, इसलिए मानसिक बेचैनी रहेगी। मन में दुविधा का अनुभव होगा, इसलिए महत्वपूर्ण निर्णय टालना हितकर है।

सिंह - आज आपको विविध लाभ मिल सकते हैं। आपकी दुविधापूर्ण मानसिकता के कारण किसी लाभ से वंचित रह सकते हैं। आपको मित्रों और बुजुर्गों से लाभ होगा।

कन्या - नए काम का आरंभ करने के लिए अपने जो योजना बनाई है, उस पर अमल करने के लिए यह समय बहुत अनुकूल है। बिजनेस में भी लाभ होने का योग है।

तुला - बुद्धिजीवियों या साहित्य प्रेमियों के साथ मुलाकात से आपके ज्ञान में बढ़ोतरी होगी। अच्छा समय व्यतीत करेंगे। नए काम का आरंभ कर सकेंगे।

वृश्चिक - आपको पेट दर्द, दमा, खांसी जैसी तकलीफें हो सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शरीर और मन अस्वस्थ रहने से बेचैनी रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखना पड़ेगा।

धनु - आज खुशी, आनंद और शांति प्राप्त कर सकेंगे। अच्छे वस्त्र, मित्रों के साथ घूमना- फिरना और स्वादिष्ट भोजन आपके दिन को आनंदमय बनाएंगे।

मकर - आपकी तंदुरुस्ती आज अच्छी रहेगी। आप मान- सम्मान तथा आनंद प्राप्त कर सकेंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ मौज-मस्ती में समय बिताएंगे।

कुंभ - आपका दिन मिश्र फलदायक साबित होगा। विचारों के उथल-पुथल के कारण कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लेना अधिक अच्छा है। प्रवास या यात्रा में विघ्न आ सकता है।

मीन - आज आप में ताजगी और स्फूर्ति का आभाव रहेगा। माता की तबीयत खराब हो सकती है। परिजनों के साथ नाराजगी और अन्य कठिनाइयां आपके मन को भयभीत कर देंगी।

0,3,4,8,01,34,40,88,00,46,66,25

सोमवती अमावस्या और मिथुन संक्रांति के दुर्लभ महासंयोग पर अमरकंटक में उमड़ा आस्था का सैलाब

30 वर्षों बाद बना सोमवती अमावस्या और पुरुषोत्तम मास का दुर्लभ संयोग

अनूपपुर, देशबन्धु। सोमवती अमावस्या, मिथुन संक्रांति और पुरुषोत्तम मास के समापन का दुर्लभ महासंयोग सोमवार को अमरकंटक में श्रद्धा और आस्था के महापर्व के रूप में देखने को मिला। मां नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र नर्मदा जल में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया, वहीं सुहागिन महिलाओं ने पीपल और वट वृक्षों की 108 परिक्रमा कर अपने पति की दीर्घायु एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व होता है, लेकिन इस वर्ष यह तिथि कई शुभ संयोगों के साथ आई।

धर्माचार्यों के अनुसार लगभग 30 वर्षों बाद पुरुषोत्तम (अधिक) मास में सोमवती अमावस्या का संयोग बना। इसके साथ ही पुरुषोत्तम मास के अंतिम दिन मिथुन संक्रांति होने से पर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ गया। शास्त्रों में अमावस्या और संक्रांति के एक साथ पड़ने को 'विषु संक्रांति' कहा गया है, जिसे अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

प्रात: ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का अमरकंटक पहुंचना शुरू हो गया था। रामघाट, पुष्कर बांध, कोटितीर्थ कुंड और आरंडी संगम सहित विभिन्न घाटों पर श्रद्धालुओं ने स्नान कर जप, तप, ध्यान, दान और पूजन-अर्चन किया। इसके बाद मां नर्मदा उद्गम मंदिर में दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की कामना की।

सुहागिनों ने की 108 परिक्रमा - सोमवती अमावस्या के अवसर पर जिलेभर में सौभाग्यवती महिलाओं ने पीपल एवं वट वृक्ष का विधि-विधान से पूजन किया। महिलाओं ने वृक्षों में जल अर्पित कर मौली (कलावा) बांधा और 108 परिक्रमा लगाकर पति की लंबी आयु तथा परिवार के सुखद भविष्य की प्रार्थना की। अमरकंटक के नर्मदा मंदिर परिसर, रामघाट और आसपास स्थित पीपल एवं वट वृक्षों के पास दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही।

स्नान, दान और धार्मिक अनुष्ठानों का मिला विशेष फल - धर्माचार्यों ने बताया कि इस विशेष अवसर पर किया गया स्नान, जप, तप, दान, हवन, पूजन और दीपदान अक्षय फल प्रदान करने वाला माना जाता है। श्रद्धालुओं ने सूर्योदय से पूर्व स्नान कर सूर्य नारायण को अर्घ्य अर्पित किया तथा अपने इष्टदेवों का पूजन और मंत्रजाप किया। कई स्थानों पर हवन-पूजन और धार्मिक आयोजनों का भी आयोजन हुआ। लोगों ने अन्नदान, वस्त्रदान, गौसेवा और जरूरतमंदों की सहायता कर पुण्य अर्जित किया।

पुरुषोत्तम मास में धार्मिक आयोजनों की रही धूम - लगभग एक माह तक चले पुरुषोत्तम मास के दौरान अमरकंटक में धार्मिक वातावरण बना रहा। राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने आश्रमों में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। कल्याण सेवा आश्रम, मृत्युंजय आश्रम, शांतिकुंज आश्रम, बर्फानी आश्रम, मार्कण्डेय आश्रम, धारकुंडी आश्रम और गुरु नानक गुरुद्वारा सहित कई धार्मिक संस्थानों में शिव महापुराण, श्रीमद्भागवत महापुराण और नर्मदा महापुराण कथाओं का आयोजन किया गया।

श्रद्धा और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम - सोमवती अमावस्या, मिथुन संक्रांति, विषु संक्रांति और पुरुषोत्तम मास के दुर्लभ महासंयोग ने अमरकंटक में श्रद्धा, आस्था और सनातन संस्कृति का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया। मां नर्मदा के तट पर उमड़ी श्रद्धालुओं की विशाल भीड़ भारतीय धार्मिक परंपराओं की जीवंतता और जनमानस की अटूट आस्था का प्रतीक बनी रही।